ई–संस्करण, अंक 4

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children

गपशप

नमस्कार,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं हम सभी लॉकडाउन में हैं और अपने–अपने घर पर हैं, हमने सोचा कि अपने नियमित समाचार पत्र गपशप का ई–संस्करण लाया जाए। हम आपको लॉकडाउन की इस अवधि के दौरान समय–समय पर इस तरह के ई–गपशप भेजते रहेंगे। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। आप इसे अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों और आपके अनुसार जिन्हें भी इन लेखों को पढ़ने में मज़ा आए उनके साथ साझा कर सकते हैं।
घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

रूम टू रीड परिवार

दुनिया के अजूबे

ऐसे तो हमारे–तुम्हारे लिए कोई भी नई और अजीबोगरीब चीज अजूबा है। जब पहली बार हवाई जहाज उड़ा तो वह भी कम अजूबा न था। समुद्र के भीतर से तेल निकाल लेना या चाँद पर राकेट उतारना क्या है? अजूबा ही है न? सच पूछो तो दुनिया में बहुत सारे अजूबे हैं। फिर भी उनमें खासम खास 7 हैं।

यह भी कहते हैं कि सात महाद्वीप (एशिया, यूरोप, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, अंटार्कटिका) होने के कारण दुनिया के 7 अजूबे माने जाते हैं। ये 7 अजूबे इंसानी हाथों का कमाल हैं। हाँ जी, उनमें इंसान की बनाई बड़ी–बड़ी मूर्ति और मीनार है। इंसान की मेहनत से खड़े किए गए मंदिर–मकबरे हैं तो पुराने शहरों का ढाँचा है। उनकी बनावट बहुत सुंदर है। कोई देखे तो देखता ही रह जाए। उन अजूबों में मुख्य रूप से इमारतें शामिल हैं – अलग अलग समय और जगह की इमारत। अब चक्कर यह है कि दुनिया के 7 अजूबे कौन कौन से हैं, यह एकदम स्थिर नहीं है। अलग–अलग लोगों ने अलग–अलग समय में अलग–अलग चीजों को अजूबे का दर्जा दिया है। उनकी सूची बदलती रही है।

माचू पिच्चू

पहाड़ की ढलान पर बना माचू पिच्चू शानदार शहर का खंडहर है। यह दक्षिणी अमेरिका के पेरु देश में है। 15 वीं सदी में इंका साम्राज्य ने इसे बनवाया था। यहाँ का तीन खिड़कियोंवाला मंदिर और सूर्य मंदिर बहुत सुंदर है। उसके अलावा एक पहाड़ी की चोटी पर रखा बड़ा सा पत्थर देखने लायक है। शायद वह ग्रह–नक्षत्र की दिशा बतानेवाली घड़ी है। कुल मिलाकर पूरे माचू पिच्चू में लगभग 150 भवन हैं। सब पॉलिश किये हुए पत्थरों से बने हुए हैं। माचू पिच्चू को "इंकाओं का खोया शहर" भी कहते हैं।

ताजमहल

सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा हमारे देश के आगरा शहर में है। मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में इसे बनवाया था। 17 वीं सदी में बना यह महल दुनिया भर में प्यार–मोहब्बत की निशानी के रूप में मशहूर है। इसकी खासियत है छतरियाँ, मीनार, गुंबद और गुंबद की चोटी पर सजा चाँद। पूरा ताजमहल बनाने में 20 साल लग गए। इसके भीतर की नक्काशी, जालियाँ वगैरह इतनी बारीक हैं कि सचमुच बनाने में बहुत समय लगा होगा।

चीन की विशाल दीवार

कहते हैं कि इंसान के बनाए इस अजूबे को अंतरिक्ष से भी देखा जा सकता है। चीन देश के कई राजाओं ने अपनी रक्षा के लिए किले की तरह दीवार बनवाई थी। सबसे पहली दीवार आज से लगभग 28 सौ साल पहले बनी थी। धीरे धीरे मिट्टी और पत्थर से बनी उन सारी दीवारों को जोड़ दिया गया। अब इसके पुराने हिस्से काफी टूट–फूट गए हैं, फिर भी इसकी कुल लंबाई लगभग 7 हजार किलोमीटर है।

चीचेन इट्जा

यह एक बहुत पुराने शहर का खंडहर है। तब का जब अमेरिका की खोज कोलंबस ने नहीं की थी। माना जाता है कि 7 वीं सदी के आसपास इसे माया सभ्यता द्वारा बसाया गया था। 13 वीं सदी तक यह आबाद था। इस नाम का अर्थ बताया जाता है "इट्जा के कुएँ के मुँह पर"। अंदाजा है कि चीचेन इट्जा शहर पानी के प्राकृतिक स्रोत के आसपास बनाया गया होगा। ताकि शहर के लोगों को हमेशा पानी मिलता रहे। यहाँ के पुराने मंदिर, वेधशाला, पिरामिड वगैरह की बनावट इसे अजूबा बना देती है। खुदाई में कपड़े, बर्तन, हथियार भी मिले हैं। उनको देखकर हजारों साल पहले के रहन–सहन के बारे में पता चलता है।

कोलोसियम

इटली की राजधानी है रोम। यह बहुत पुराना नगर है। वहाँ का कोलोसियम भवन बनाने की कला का नमूना है। पहली सदी में रोम के फ्लेवियन राजवंश के दौरान कोलोसियम का निर्माण हुआ था। यह असल में पत्थर और कंक्रीट से बना खुला हुआ थिएटर हॉल है। अंडाकार स्टेडियम जैसा। लगभग 50 हजार दर्शक इसमें बैठ सकते हैं।

दो समुदों के बीच बसा पेत्रा ऐतिहासिक नगर है। अरब देश जॉर्डन में। ग्रीक भाषा में पेत्रा शब्द का अर्थ पत्थर है। गुलाबी रंग के पत्थरों से तराशे इस नगर को 'रोज सिटी' भी कहा जाता है।

पेत्रा

इसमें सम्राट का खजाना बहुत सुंदर बना हुआ है। ईसा से 312 साल पहले पेत्रा को उत्तरी अरब के लोगों ने बनाया था। इसमें ढाई हजार साल पुरानी पानी की व्यवस्था प्रणाली तो बेजोड़ है। हजारों साल पहले इतना विकसित सिस्टम देखकर लोग चकित रह जाते हैं। समय गुजरने के साथ पेत्रा की सारी इमारतें कमजोर हुई हैं, मगर अब भी उनकी खूबसूरती देखते बनती है।

क्राइस्ट द रिडीमर की प्रतिमा

ईसा मसीह की यह मूर्ति पहाड़ की चोटी पर है। ब्राजील देश के रियो डी जेनेरो नगर में। यह वही जगह है जहाँ हाल में ओलंपिक हुआ था। सबको प्यार करनेवाले और खुली बाँहों से अपने में समेट लेनेवाले ईसा मसीह की यह मूर्ति ईसाई धर्म के मर्म को बताती है। 1922 ई. और 1931 ई. के बीच इस मूर्ति को मजबूत कंक्रीट और खास तरह के पत्थर सोपस्टोन से बनाया गया था। यह बहुत लंबी–चौड़ी और वजनदार है। इसे देखने दूर दूर से लोग आते हैं। यह मूर्ति 31 फीट आधार सहित 130 फुट लंबी और 98 फुट चौड़ी है।

इनके अलावा दुनिया के 7 अजूबों की और सूची नीचे दी गई है। इन सब के बारे में जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध है।

गीजा के पिरामिड

रोडेस की विशाल मूर्ति

ओलंपिया में जियस की मूर्ति

माउसोलस का मकबरा

बेबीलोन के झूलते बाग

अर्टेमिस का मंदिर

एलेक्जेंड्रिया का लाइटहाउस